बेस्ट टीचर अवार्ड डॉ. अमिता को

06/09/2023

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि महाविद्यालय के सभागार में मंगलवार को शिक्षक दिवस समारोह हुआ। इस दौरान कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अमिता शर्मा को बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर बेस्ट थीसिस का अवार्ड डॉ. कोमल शेखावत तथा सर्वोत्तम विद्यार्थी पुरस्कार सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा प्रियंका चौहान को दिया गया। छात्र कल्याण निदेशक डा. वीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर यह पुरस्कार पहली बार दिए जा रहे हैं।

09.09.2023

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को आएंगे

बीकानेर | राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर बीकानेर आएंगे। यात्रा के मद्देनजर शुक्रवार को कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल और एसपी तेजस्विनी गौतम ने तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राज्यपाल सोमवार सुबह 11 बजे वायु मार्ग से जयपुर से प्रस्थान करेंगे। 11:45 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दोपहर 12:30 बजे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। दोपहर 2:45 बजे महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में अमृत वाटिका का लोकार्पण करेंगे। राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। राज्यपाल शाम 4.25 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सोमवार को आएंगे राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, जिला कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

बीकानेर, 8 सितंबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर बीकानेर आएंगे। श्री मिश्र की यात्रा के मध्यनजर शुक्रवार को जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी उन्हें दी गई जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता सहन नहीं की जाएगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री मिश्र सोमवार प्रातः 11 बजे वायु मार्ग से जयपुर द्वारा प्रस्थान करेंगे और 11:45 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। श्री मिश्र दोपहर 12:30 बजे स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। दोपहर 2:45 बजे महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में अमृत वाटिका का लोकार्पण करेंगे और राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। राज्यपाल सायं 4.25 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को आएंगे बीकानेर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर गहनता से होगा विचार-विमर्श, समापन सत्र में आएंगे राज्यपाल

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय और कृषि विश्वविद्यालय में होने वाली सेमिनार में लेंगे हिस्सा

बीकानेर @ पत्रिका. महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू) और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में सोमवार को राष्ट्रीय सेमिनार और लोकार्पण कार्यक्रम होंगे। मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। एसकेआरएयू में दोपहर 12.30 बजे आवासीय छात्रावास का लोकार्पण होगा। इसके बाद कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्री लालचंद कटारिया शामिल होंगे। वहीं एमजीएसयू के कुलसचिव अरुण प्रकाश शर्मा ने बताया कि राज्यपाल दोपहर 2:45 बजे विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और अमृत वाटिका का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के समापन समारोह में हिस्सा लेंगे।

तीन सत्रों में आयोजित होगा सेमिनार

एमजीएसयू के अतिरिक्त कुलसचिव डॉ. बिट्टल बिस्सा ने बताया कि हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को एकीकृत करने में संभावनाएं और चुनौतियों विषय पर सेमीनार में प्रदेश के एक हजार से भी अधिक शिक्षक, विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। तीन सत्रों में सेमीनार होगा। एसकेआरएयू के अधिष्ठाता डॉ. आईपी सिंह ने बताया कि कृषि संगोष्ठी के दौरान मौखिक और पोस्टर के माध्यम से करीब 170 रिसर्च पेपर प्रस्तुत होंगे। पांच सत्रों में 100 से अधिक वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे।

जिला कलक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर बीकानेर आएंगे। तैयारियों को लेकर कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बैठक ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राज्यपाल मिश्र सोमवार सुबह 11 बजे वायु मार्ग से जयपुर से प्रस्थान करेंगे और 11:45 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दोपहर 12:30 बजे एसके आरएयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। दोपहर 2:45 बजे महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में सेमिनार में शिरकत करेंगे। राज्यपाल शाम 4.25 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुझाव के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

एक दिवसीय बीकानेर दौरे पर आज आएंगे राज्यपाल :आयोजन की तैयारियां पूरी, प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया जायजा

किसानों की आय वृद्धि और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगा विमर्श

पत्रिका रीडर्स फेस्ट

कृषि विश्वविद्यालय और एमजीएसयू में आयोजित होगा राष्ट्रीय सेमिनार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू) और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में सोमवार को राष्ट्रीय सेमिनार और लोकार्पण कार्यक्रम होंगे। मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। इस दौरान एसकेआरएयू में कृषकों की आय वृद्धि पर मंथन किया जाएगा। इस दौरान अलग-अलग जगहों के वैज्ञानिक, शोधार्थी दो दिवसीय सेमिनार में हिस्सा लेंगे। वहीं एमजीएसयू में हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को एकीकृत करने में संभावनाएं और चुनौतियों विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। तीन सत्रों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नई शिक्षा निति पर गहनता से विचार-विमर्श किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के एक हजार से भी अधिक शिक्षक, विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

सेमिनार की जानकारी देते कुलपति डॉ. अरूण कुमार।

11.45 बजे पहुंचेंगे राज्यपाल

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को सुबह 11 बजे वायु मार्ग से जयपुर से प्रस्थान करेंगे और 11:45 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दोपहर 12:30 बजे एसकेआरएयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। दोपहर 2:45 बजे महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में सेमिनार में शिरकत करेंगे। राज्यपाल शाम 4.25 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

एसकेआरएयू में तैयार आवासीय छात्रावास।

9 विषय 5 तकनीकी सत्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुड़े 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कीट प्रबन्धन के सन्दर्भ में कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि के लिए विभिन्न कृषि व्यवसाय, विपणन आदि में नवाचारों पर चर्चा होगी। डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 8 राज्यों से करीब 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी समेत कई लोग हिस्सा लेंगे।

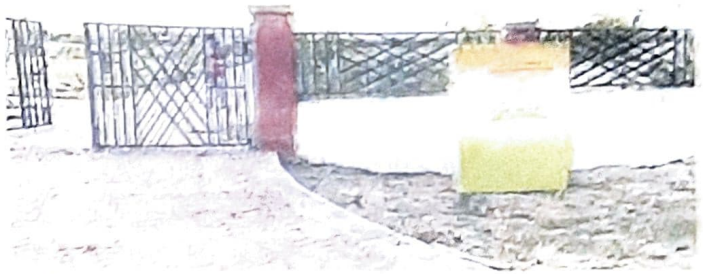

एमजीएसयू में तैयार अमृत वाटिका।

अमृत वाटिका का लोकार्पण होगा

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी से पहले अमृत वाटिका का लोकार्पण किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ. मेघना शर्मा ने बताया कि मेरी माटी मेरा देश राष्ट्रव्यापी अभियान के अन्तर्गत अमृत वाटिका तैयार करवाई गई है,जिसमें 75 देशी किस्म के पौधे लगाए गए हैं। सोमवार सुबह 10 बजे से विश्वविद्यालय परिसर स्थित आडिटोरियम में सेमिनार आयोजित किया जाएगा। वहीं कृषि विवि में 60 लाख की लागत से तैयार हुए आवासीय छात्रावास का लोकार्पण होगा।

कृषकों की आय वृद्धि के लिए 'कृषि में विविधीकरण' विषयक संगोष्ठी आज से

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 11-12 सितम्बर को 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधीकरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। प्रेस कांफ्रेंस में कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोगताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण लाना आवश्यक हो गया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाएं ताकि किन्हीं कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्रोतों से आर्थिक सम्बल मिलता रहे।

संगोष्ठी समन्वयक डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुडे 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। इन सत्रों में फसल विविधीकरण एवं

किसानों की आय वृद्धि के लिए 'कृषि में विविधीकरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने किया।

कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, कृषि विविधीकरण में जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि हेतु विभिन्न कृषि व्यवसाय, किसानों की आय वृद्धि हेतु नवाचार एवं स्टार्ट अप, फसल विविधीकरण से जुड़ी प्रसार गतिविधियां तथा कृषि विपणन में नवाचारों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर कुलपति द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव डॉ. पी. के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रेस कांफ्रेंस में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कृषि विविधीकरण एवं कृषि शोध कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कम अवधि में, कम पानी में पकने वाली बाजरा, चना, मोठ तथा मूंगफली की किस्में विकसित की हैं जो सूखारोधी होने के साथ-साथ स्थानीय जलवायु में अच्छी उपज देती हैं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि संगोष्ठी में कृषि विविधीकरण पर अन्य राज्यों में किये गये प्रयासों के प्रस्तुतिकरण का लाभ हमारे वैज्ञानिकों व किसानों को मिलेगा।

उपनिदेशक जन सम्पर्क कार्यालय बीकानेर, हरिशंकर आचार्य ने कहा कि स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कृषि में नवाचारों पर लगातार आयोजन कर यंहा के किसानों की जागरूकता एवं आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने को दिशा में सार्थक पहल कर रहा है।

■ राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे

श्रीगंगानगर शहर के अरोड़वंश पब्लिक स्कूल में रविवार को शिक्षकों का सम्मान किया गया। जिले के विभिन्न स्कूलों में काम कर रहे 66 टीचर्स को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 11-09-2023

• 'कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आज, मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल

बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य, मधुमक्खी और केंचुआ पालन आदि से आय बढ़ाएं किसानः कुलपति

हिंदी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय 11-12 सितम्बर को "कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इससे पूर्व कुलपति डॉ. अरूण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस उन्होंने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर माननीय राज्यपाल राजस्थान, श्री कलराज जी मिश्र मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोक्ताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाएं। इससे किन्हीं कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक संबल मिलता रहे। संगोष्ठी समन्वय डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुड़े 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। आयोजन सचिव डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैरसरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दी।

उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण कृषि में विविधीकरण लाना जरुरी : अरुण कुमार

■ जलतेदीप क्रिसं, बीकानेर

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 'कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ सोमवार को राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने रविवार को प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोक्ताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण लाना आवश्यक हो गया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाए ताकि किन्ही कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक सम्बल मिलता रहे।

संगोष्ठी समन्वय डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुड़े 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। इन सत्रों में फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कीट प्रबन्धन के सन्दर्भ में कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, कृषि विविधीकरण में जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि हेतु विभिन्न कृषि व्यवसाय, किसानों की आय वृद्धि हेतु नवाचार एवं स्टार्ट अप, फसल विविधीकरण से जुड़ी प्रसार गतिविधियां तथा कृषि विपणन में नवाचारों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर कुलपति द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैरसरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे।

एसकेआरएयू में कृषि में विविधीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 11 सित. से

बीकानेर। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 11-12 सितम्बर को कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधीकरण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन से पूर्व कुलपति डॉ.अरूण कुमार की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कुलपति ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर माननीय राज्यपाल राजस्थान, श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोगताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण लाना आवश्यक हो गया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाए ताकि किन्हीं कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक सम्बल मिलता रहे। संगोष्ठी समन्वय डॉ. आई.पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुडे 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। इन सत्रों में फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कीट प्रबन्धन के सन्दर्भ में कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, कृषि विविधीकरण में जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि हेतु विभिन्न कृषि व्यवसाय, किसानों की आय वृद्धि हेतु नवाचार एवं स्टार्ट अप, फसल विविधीकरण से जुड़ी प्रसार गतिविधियां तथा कृषि विपणन में नवाचारों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर कुलपति द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव डॉ.पी.के. यादव मे बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारीं एवं गैरसरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कृषि विविधीकरण एवं कृषि शोध कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कम अवधि में, कम पानी में पकने वाली बाजरा, चना, मोठ तथा मूंगफली की किस्में विकसित की हैं जो सूखारोधी होने के साथ-साथ स्थानीय जलवायु में अच्छी उपज देती हैं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि संगोष्ठी में कृषि विविधीकरण पर अन्य राज्यों में किये गये प्रयासों के प्रस्तुतिकरण का लाभ हमारे वैज्ञानिकों व किसानों को मिलेगा। उपनिदेशक जन संम्पर्क कार्यालय, बीकानेर, हरि शंकर आचार्य ने कहा कि स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कृषि में नवाचारों पर लगातार आयोजन कर यंहा के किसानों की जागरूकता एवं आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में सार्थक पहल कर रहा है।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 12-09-2023

बीकानेर के एक दिवसीय दौरे के दौरान राज्यपाल ने विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत

शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे : मिश्र

एजुकेशन रिपोर्टर, बीकानेर|

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को बीकानेर में रहे। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में अमृत वाटिका का लोकार्पण करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति से देश ज्ञान आधारित बनेगा। इस नीति में स्टूडेंट्स की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने यूनिवर्सिटी में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर आयोजित नेशनल सेमिनार को संबोधित किया। मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छगन मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भादाणी, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निर्मोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामाआदि के योगदान को याद किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति डॉ.एके गहलोत मौजूद रहे।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण जरूरी

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया। सेमिनार में कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

अमृत वाटिका की शुरूआत

इससे पहले राज्यपाल ने महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है। इसमें बीकानेर के 22, चूरू जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम शामिल हैं।

आवासीय छात्रावास का लोकार्पण

राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

एक दिवसीय दौरे पर रहे राज्यपाल कलराज मिश्र : अमृत वाटिका और छात्रावास का किया लोकार्पण, राष्ट्रीय सेमिनार में बोले...

'किसानों की जरूरतों को समझते हुए शोध करें, ताकि पैदावार बढ़े और किसानों को लाभ हो'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों की कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधिकरण विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कही।

उन्होंने कहा विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे, तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू) में हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार के समापन सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है। इसमें विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित देश बनाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो भारत को पुनः विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएगी।

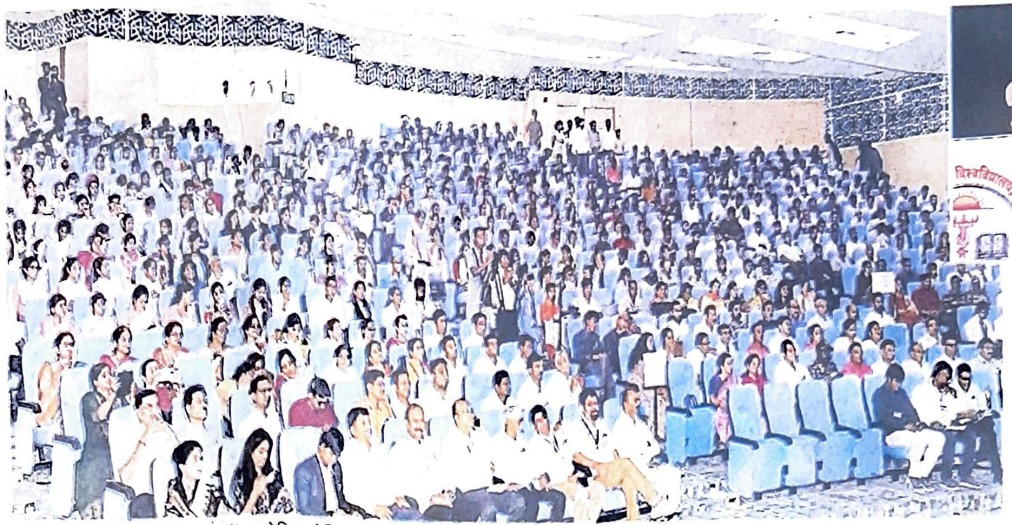

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में मौजूद विद्यार्थी व अतिथि। (इनसेट) संबोधित करते राज्यपाल कलराज मिश्र।

एमजीएसयू में सेमिनार के दौरान शिक्षा नीति पर विचार व्यक्त करती छात्रा हर्षिता शर्मा।

एसकेआरएयू में आवासीय छात्रावास और एमजीएसयू में अमृत वाटिका का लोकार्पण

मरु शक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का अवलोकन करते राज्यपाल।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने एसकेआरएयू परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से संचालित मरू शक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली। वहीं एमजीएसयू में तैयार अमृत वाटिका का लोकार्पण भी किया गया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है।

कृषि विज्ञान केंद्रों का करेंगे भ्रमण

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों की ओर से अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। इसको लेकर कार्यक्रम तैयार किया जाएगा।

बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता- अपनापन को बताया विशेष

राज्यपाल मिश्र ने बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता और अपनापन को विशेष बताया। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छगन मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भादाणी, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निर्मोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामा आदि के अवदान को याद किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह जिलाई बाई की माड गायकी, लोकनाट्य परंपरा 'रम्मत', उस्ता कला और लघु चित्र शैलियां भी विशेष पहचान रखती हैं।

गर्मी से हाल-बेहाल, राज्यपाल ने भी किया जिक्र

कृषि विवि के विद्या मंडप में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान गर्मी ने काफी परेशान किया। इस दौरान हॉल में उपस्थित लोग पसीने से तर-बतर रहे। ऐसा तब था, जब हॉल में बड़ी संख्या में एसी भी लगे थे। मंच से राज्यपाल ने भी अत्यधिक गर्मी का जिक्र किया। वहीं एमजीएसयू में हॉल के अंदर पानी की व्यवस्था नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ा।

यह रहे उपस्थित

एसकेआरएयू में कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिंह, बीटीयू के कुलपति डॉ. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, राजूवास के कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग, जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व कुलपति डॉ. एके गहलोत तथा एमजीएसयू में कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमार, राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डी.एस. चुंडावत सहित अन्य उपस्थित रहे।

इलेट्रिक वाहन पर राज्यपाल।

क्यूआर कोड स्कैन कर वीडियो देखें...

पंजाब केसरी
TUE, 12 SEPTEMBER 2023
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

शैक्षिक नवाचारों को अपनाने से खुलेंगे आगे बढ़ने के रास्ते : राज्यपाल मिश्र

बीकानेर, 11 सितंबर

प्रेम : राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के समापन और अमृत वाटिका के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित देश बनाना है।

राज्यपाल कलराज मिश्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचार की जानकारी लेते हुए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जिसमें नयेपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो भारत को पुन: विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएगी। शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत में विश्व को एक साथ रखकर विश्व बंधुत्व को साकार करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में समय-समय पर ऐसे आयोजन करे।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ पारिस्थितिकी संतुलन और पर्यावरण संरक्षण विषय पर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के तहत अमृत वाटिका तैयार की गई है तथा इसके पौधों के साथ बीकानेर संभाग के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के शिला फलक लगाकर पौधों का नामकरण शहीदों और सेनानियों के नाम पर किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने की उद्देश्य से विभिन्न नवाचार किए गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जल्दी ही भारत के प्रमुख व्यक्तियों के नाम से भवनों और पार्कों का नाम नामकरण किया जाएगा।

इस दौरान पूर्व कुलपति डॉ. ए.के. गहलोत तथा राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डी.एस. चुंडावत बतौर अतिथि मौजूद रहे। इससे पूर्व राज्यपाल ने दीप प्रज्वलन कर समापन सत्र की शुरुआत की। कुलसचिव अरुण प्रकाश शर्मा ने आगंतुकों का आभार जताया। इस दौरान बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, विश्व विद्यालय प्रबंधन बोर्ड और विद्या परिषद सदस्य, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

अमृत वाटिका का किया लोकार्पण: इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है।

इसमें बीकानेर जिले के 22, चूरू जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सम्मिलित हैं। उद्घाटन के पश्चात राज्यपाल श्री मिश्र ने अमृत वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधीकरण की महत्ती आवश्यकता : राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल ने किया स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाव, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को परंपरागत खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें। कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल मिश्र ने क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग पुस्तक का विमोचन किया। सेमिनार सचिव डॉ. पी.के. यादव ने आभार जताया। इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण। राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरुशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

विश्वविद्यालय फसलों पर ऐसे शोध करें जिनसे पैदावार व आय बढ़ें : राज्यपाल

बीकानेर,(कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भूजल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के सामने है। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केन्द्र है। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केन्द्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महती आवश्यकता है।

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह को राज्यपाल कलराज मिश्र ने संबोधित किया।

कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। उन्होंने कहा कि फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें पारंपरिक फसलों की तुलना में कैल्शियम, पोटेशियम और लोहा जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें। इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जायेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया।

इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की

- राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए

प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'संविधान संस्कृति उज्जवल रहे' तथा 'शिक्षा की संस्कृति' की प्रतियां कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिंह, बीटीयू के कुलपति डॉ. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, राजुवास के कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग, पूर्व कुलपति डॉ. ए. के. गहलोत को भेंट की। सेमिनार सचिव डॉ. पी. के. यादव ने आभार जताया।

इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद थे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता- राज्यपाल मिश्र

स्वामी केशवानंद कृषि विवि में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल श्री मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि मंत्र विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए। वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल श्री मिश्र ने क्रॉप इम्प्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने किया स्वामी केशवानंद कृषि विश्विद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता- राज्यपाल

जयपुर।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियां के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भूजल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। नवाचारों किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने

कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सके।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशाला आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारे अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता: राज्यपाल कलराज मिश्र

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद कृषि विश्विद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया

बीकानेर (सच कहूँ न्यूज)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। उन्होंने कहा कि फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें पारंपरिक फसलों की तुलना में कैल्शियम, पोटेशियम और लोहा जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया।

इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण

राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

ARBiT
SUDOKU

विश्वविद्यालय फसलों पर ऐसे शोध करें जिनसे पैदावार व आय बढ़ें : राज्यपाल

राजस्थान पत्रिका & दैनिक भास्कर
दिनांक : 12/09/23

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक:- प.413/स्वाकेराकृवि/विधि/2023/1580 दिनांक:- 11.09.2023

केवियट सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक पदों हेतु जारी भर्ती विज्ञापन संख्या 02/2023 दिनांक 11.09.2023 जारी किया है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर तथा बैंच, जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय नियम 159 के तहत केवियट दायर की जा रही है। अतः इससे संबंधित कोई रिट याचिका किसी भी व्यक्ति/ कर्मचारी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर तथा बैंच, जयपुर में दाखिल करने से पूर्व विश्वविद्यालय के निम्नांकित अधिवक्ताओं को याचिका के तथ्यों सहित सूचित करे ताकि विश्वविद्यालय को सुने बिना कोई आदेश पारित न हो :-

1. श्री जयदीप सिंह सलूजा, एडवोकेट, लक्की सदन, जसवंत होस्टल के पीछे, सुनारों की बगेची, समृद्धि सोसायटी, रातानाड़ा रोड़, जोधपुर (मोबाईल नं. 8560994100)
2. श्री शाश्वत पुरोहित, एडवोकेट, 32 ए, जय अम्बे कॉलोनी, सिविल लाईन्स, जयपुर मोबाईल नं. (9829229322)

(अजीत कुमार गोदारा)
कुलसचिव

13.09.2023

एसकेआरएयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

राष्ट्रीय कृषि नीति बनाने में अपने अनुसंधानों को साझा करे कृषि विश्वविद्यालय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हुआ।

मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने कहा कि भारत में औसत किसान की आमदनी कम है। किसानों के पास छोटी जोत लायक कृषि यंत्र नहीं होने के कारण कृषि उत्पादन की लागत को कम करने में हम सफल नहीं हो पाए हैं। कृषि में आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ आदानों की लागत कम करने, आय के अतिरिक्त स्रोत यथा पशुपालन, मशरूम उत्पादन, मछली पालन, ट्राइकोडर्मा इकाई, केंचुआ खाद उत्पादन, कृषि उत्पादन का मूल्य संवर्धन आदि करने की आवश्यकता है। कृषि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि नीति बनाने में अपने अनुसंधानों को साझा करना चाहिए।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि संगोष्ठी में पशु आहार बैंक बनाने का सुझाव आया है, जिसके लिए साईलेज बनाने की प्रक्रिया को किसानों तक पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलवाने के लिए किसान उत्पादक संगठन बनाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि ई मार्केटिंग पर अपने उत्पाद बेचकर अच्छी आय प्राप्त कर सकें।

पांच सत्रों में 40 मौखिक पत्र वाचन

संगोष्ठी संयोजक डॉ. आई.पी. सिंह ने बताया कि इस संगोष्ठी में पांच सत्रों में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने 40 मौखिक पत्र वाचन किए। संगोष्ठी में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने मिलेट्स के उत्पादन व प्रसंस्करण से किसानों की आय वृद्धि पर व्याख्यान दिया। संगोष्ठी में विभिन्न पत्र वाचन में यह बात सामने आई कि आमदनी बढ़ाने के लिए किसानों को लो टनल व संरक्षित खेती कर अगेती फसल लेकर आय बढ़ानी चाहिए। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र बीकानेर के निदेशक डॉ. ए. साहू ने कहा कि रेगिस्तानी इलाकों में उष्ट्र आधारित पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए। संगोष्ठी में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत, डॉ. एस.एम कुमावत, डॉ. विजय प्रकाश, डॉ. विमला डुकवाल ने अपने विचार रखे।

सुझाव के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

बेस्ट यंग साइंटिस्ट का अवार्ड डॉ. सुशील को

संगोष्ठी में बेस्ट यंग साइंटिस्ट का अवार्ड मृदा वैज्ञानिक डॉ. सुशील खारिया को दिया गया। मौखिक पत्र वाचन में प्रत्येक थीम में सर्वश्रेष्ठ वक्ता को पुरस्कृत किया गया। जयपुर के डॉ. अनूप मंगलसेरी, डॉ. सीमा त्यागी, डॉ. केशव मेहरा एवं डॉ. डी. एस. शेखावत, डॉ. आर. एस. शेखावत तथा डॉ. प्रियंका गौतम को पुरस्कृत किया गया। पोस्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न सत्रों में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रियंका कुमावत, रवीना, बृजेंद्र सिंह यादव, नीतू चौधरी व चेतन शर्मा को दिए गए।

'देश में कृषि के समक्ष गंभीर चुनौतियां'

राज्यपाल ने किया कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

बीकानेर/निजी संवाददाता

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें पारंपरिक फसलों की तुलना में कैल्शियम, पोटेशियम और लोहा जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें। इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण : राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित छात्रावास का लोकार्पण किया। छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण कर यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

15.09.2023

कुलपति-विद्यार्थी संवाद आयोजित

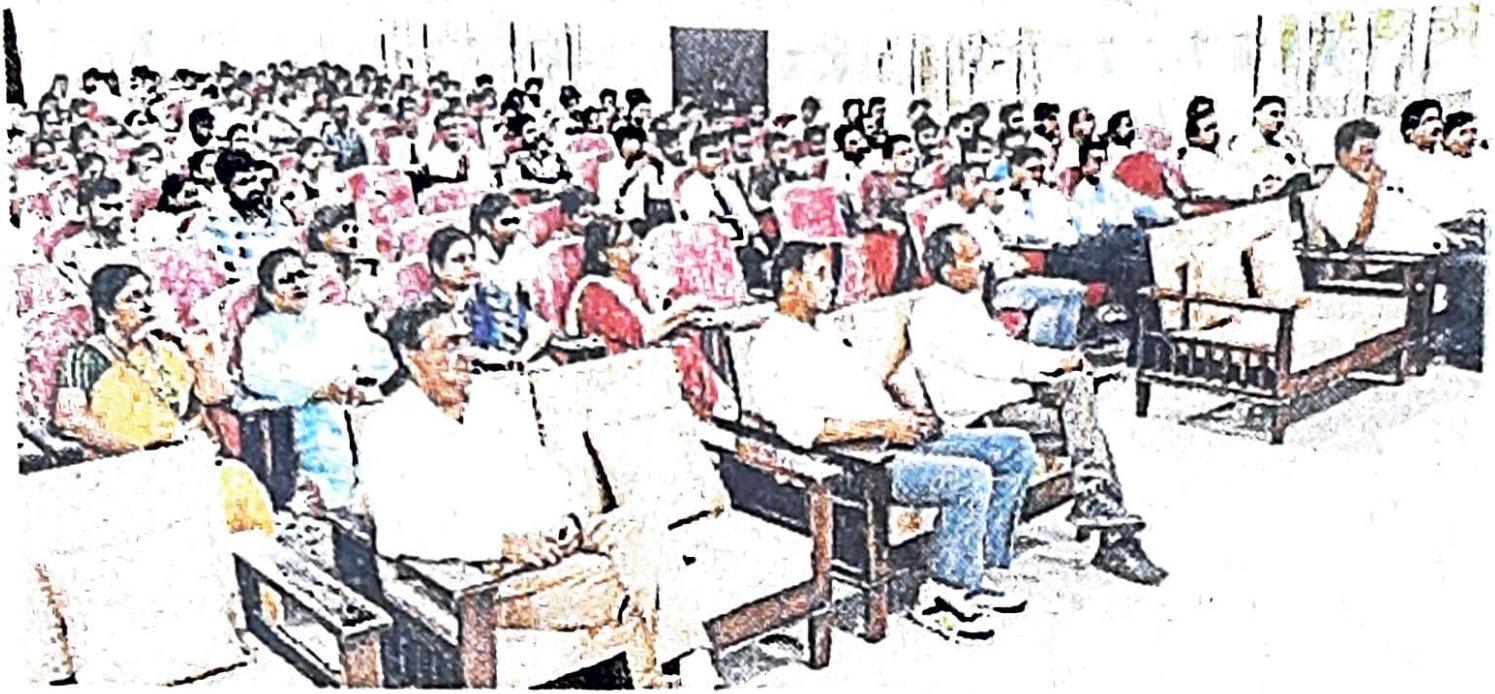

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता ड़ॉ. आई. पी. सिंह, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल, छात्र कल्याण निदेशक ड़ॉ. वीर सिंह, चीफ हास्टल वार्डन डॉ. दाता राम सहित सभी प्राध्यापक व छात्र मौजूद थे। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी अपने अध्ययन तथा व्यक्तित्व विकास पर ध्यान दें, इसके लिए विवि उनकी समस्याओं को सुनने और दूर करने के लिए निरंतर संवाद करेगा।

18.09.2023

कृषि गोल्डलाइन

देसी चना की नई किस्म विकसित डॉ. विजय को मिला प्रशस्ति-पत्र

कृषि गोल्डलाइन, श्रीगंगानगर। स्थानीय कृषि अनुसंधान केन्द्र की चना परियोजना द्वारा विकसित चने की नई देसी किस्म जी.एन.जी. 2461 (मूमल) को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और जम्मू) के वर्षा पोषित (बारानी) क्षेत्रों के लिए फसल मानकों, अधिसूचना और किस्म जारी करने पर केन्द्रीय उपसमिति ने अभिशंसा की है। यह किस्म कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर के वरिष्ठ चना प्रजनक व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. विजय प्रकाश के नेतृत्व में के.डब्ल्यू.आर. 108 व जी.एन.जी. 1861 के एकल संकरण का दूसरे एकल संकरण पंत जी. 18 6 व जी.एन.जी. 1958 के मध्य दोहरे संकरण द्वारा वंशावली चयन विधि से तैयार की गई है। इस किस्म का दाना मोटा व भूरे रंग का होता है व 100 दानों का औसत भार लगभग 24.5 ग्राम होता है। डॉ. विजय 25 वर्षों से चने की विभिन्न किस्मों के शोध में लगे हुए हैं।

इनके द्वारा अब तक 12 चने की किस्मों का विकास किया जा चुका है। इसमें 8 किस्म राष्ट्रीय स्तर पर व 4 किस्म राज्य स्तर पर अधिसूचित हैं। पूर्व में चने की किस्म जी.एन.जी. 158 1 (गणगौर) न केवल राजस्थान राज्य में बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी काफी लोकप्रिय है। इनके अलावा गणगौर, मीरा, पिछेती बिजाई हेतु जी.एन.जी. 1488 संगम, तीज, (केशव) के साथ साथ काबुली चना की जी.एन. जी. 1292, गौरी व त्रिवेणी और बारानी क्षेत्रों के लिए मूमल का विकास किया है। भारत में विकसित चने की 87 किस्मों में से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित चने की विभिन्न किस्मों के प्रजनक बीज की मांग लगभग 24% है, जो कि उल्लेखनीय उपलब्धि है। डॉ. विजय प्रकाश को चौधरी देवीलाल बेस्ट एक्रिप सेंटर का पुरस्कार भी मिल चुका है। हाल ही में 3 सितंबर,2023 को महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी (महाराष्ट्र) में आयोजित अखिल भारतीय रबी दलहन कार्यशला में डॉ. प्रकाश को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

रोग-कीट कम, उपज ज्यादा

वर्ष 1919-20 से वर्ष 2021-22 के दौरान अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना द्वारा आयोजित नौ स्थानों पर किए गए परीक्षणों में नई किस्म जी.एन.जी. 2461 (मूमल) ने वर्षा पोषित पारिस्थितिकी में 2140 किग्रा. प्रति हैक्टेयर की औसत उपज दी है, जो कि अन्य किस्म से अधिक पाई गई। यह किस्म विल्ट व शुष्क जड़गलन के प्रति अपेक्षाकृत अधिक प्रतिरोधकता रखती है। राजस्थान राज्य के एक बड़े भू-भाग पर बारानी चने की खेती होती है अतः इस नई किस्म के विकास से चना उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

▶ डॉ. पी.एस. शेखावत, निदेशक अनुसंधान, एसकेआरएयू बीकानेर।

20.09.2023

कार्यशाला आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि अनुसंधान केन्द्र स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को कृषि रबी क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जर्क) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अतिरिक्त निदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस आर यादव, परियोजना निदेशक सि.क्षे.वि. सत्यनारायण, प्रधान वैज्ञानिक कृषि डॉ. दाता राम, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी एस शेखावत व अध्यक्ष काजरी नवरत्न पंवार की अध्यक्षता में हुआ। जर्क कार्यशाला में खण्ड बीकानेर के बीकानेर, चूरू, जैसलमेर के कृषि, उधान्निकी, आत्मा के अधिकारी व विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक गणों ने भाग लिया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के परस्पर बेहतर समन्वय से ही किसानों को नव कृषि तकनीक मिलेगी तथा नवाचारी तकनीकी से कृषि एवं किसान का विकास होगा एवं निश्चित रूप से किसान की आय बढ़ेगी।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

डीन, असिस्टेंट प्रोफेसर आदि के पदों पर आवेदन आमंत्रित

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों पर प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, डीन, डायरेक्टर आदि के कुल 32 पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं। उम्मीदवार आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आधिकारिक पते पर 18 अक्टूबर तक भेज सकते हैं। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट raubikaner.org से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता जानने के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन देखें।

8 अक्टूबर अंतिम तिथि

योग्य उम्मीदवार 8 अक्टूबर रात 11:59 बजे तक आवेदन पत्र और स्कोर कार्ड आधिकारिक वेबसाइट raubikaner.org जमा कर सकते हैं।

कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के परस्पर बेहतर समन्वय से होगा विकास : डॉ. सिंह

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

कृषि अनुसंधान केन्द्र, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में मंगलवार को कृषि रबी क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जर्क) कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत, डॉ. एसआर यादव, सत्यनारायण, डॉ. दाता राम, डॉ. पीएस शेखावत व नवरत्न पंवार की अध्यक्षता में हुआ। जर्क कार्यशाला में खण्ड बीकानेर के बीकानेर, चुरू, जैसलमेर के कृषि, उधानिकी, आत्मा के वरिष्ठ अधिकारी गण व विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक गणों ने भाग लिया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के परस्पर बेहतर समन्वय से ही किसानों को नव कृषि तकनीक मिलेगी तथा नवाचारी तकनीकी से कृषि एवं किसान का विकास होगा एवं निश्चित रूप से किसान की आय बढ़ेगी। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एसआर यादव ने भूमि पोषकता पर विस्तार से बताया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ दाताराम ने विभिन्न कृषि व उद्यानिकी फसलों की पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेज पर विस्तार से चर्चा की। इस परिचर्चा में कृषि वैज्ञानिक प्रो. अमर सिंह गोदारा, डॉ केशव मेहरा, डॉ शीशराम, डॉ हनुमान देशवाल, डॉ. पीसी गुप्ता, डॉ. बीडी एस नाथावत व कैलाश चौधरी इत्यादि ने भाग लिया।

कार्यशाला में मौजूद पदाधिकारी व अन्य।

कृषि वैज्ञानिकों ने दिया रबी 2022-23 के प्रयोगों के परिणामों का प्रस्तुतिकरण

21.09.2023

फसल किस्मों की अनुशंसाओं के साथ जर्क बैठक का समापन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केंद्र में दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आंशिक सिंचित अति शुष्क पश्चिमी क्षेत्र के लिए उपयुक्त फसल किस्मों की अनुशंसाओं के साथ संपन्न हुई।

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. शीशराम यादव ने बताया कि अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने अपने रबी 2022-23 के प्रयोगों के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त निदेशक (कृषि विस्तार), डॉ. दाताराम, निदेशक भू- सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन, डॉ. नवरतन पंवार, बीकानेर एंव कृषि अनुसंधान केन्द्र, कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विभाग के 92 अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

इन किस्मों को पाया गया उपयुक्त

बैठक में उष्णता एवं सूखारोधी सरसों की दो किस्मों आरएच- 725, सीएस- 60, चने की जीएनजी- 469 तथा आरएसजी- 888 का अनुमोदन किया गया। ईसबगोल की एचआई -5 व निहारिका, गेहूं की राज- 4238, एचडी- 3226, डीबी डब्लू-303, जौ की आरडी- 2899 व आरडी- 2907, रिजका की आरएल -.88, बरसीम की बीबी-2 किस्मों को इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त पाया गया।

सुझाव के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

23.09.2023

कार्यशाला आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. कृषि अनुसंधान केन्द्र स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को कृषि रबी क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जर्क) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अतिरिक्त निदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस आर यादव, परियोजना निदेशक सि.क्षे.वि. सत्यनारायण, प्रधान वैज्ञानिक कृषि डॉ. दाता राम, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी एस शेखावत व अध्यक्ष काजरी नवरत्न पंवार की अध्यक्षता में हुआ। जर्क कार्यशाला में खण्ड बीकानेर के बीकानेर, चूरू, जैसलमेर के कृषि, उधान्निकी, आत्मा के अधिकारी व विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक गणों ने भाग लिया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के परस्पर बेहतर समन्वय से ही किसानों को नव कृषि तकनीक मिलेगी तथा नवाचारी तकनीकी से कृषि एवं किसान का विकास होगा एवं निश्चित रूप से किसान की आय बढ़ेगी।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

डीन, असिस्टेंट प्रोफेसर आदि के पदों पर आवेदन आमंत्रित

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों पर प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, डीन, डायरेक्टर आदि के कुल 32 पदों पर आवेदन आमंत्रित किए हैं। उम्मीदवार आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आधिकारिक पते पर 18 अक्टूबर तक भेज सकते हैं। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट raubikaner.org से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता जानने के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन देखें।

8 अक्टूबर अंतिम तिथि

योग्य उम्मीदवार 8 अक्टूबर रात 11:59 बजे तक आवेदन पत्र और स्कोर कार्ड आधिकारिक वेबसाइट raubikaner.org जमा कर सकते हैं।

कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के परस्पर बेहतर समन्वय से होगा विकास : डॉ. सिंह

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

कृषि अनुसंधान केन्द्र, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में मंगलवार को कृषि रबी क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जर्क) कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत, डॉ. एसआर यादव, सत्यनारायण, डॉ. दाता राम, डॉ. पीएस शेखावत व नवरत्न पंवार की अध्यक्षता में हुआ। जर्क कार्यशाला में खण्ड बीकानेर के बीकानेर, चुरू, जैसलमेर के कृषि, उधानिकी, आत्मा के वरिष्ठ अधिकारी गण व विश्वविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक गणों ने भाग लिया। अतिरिक्त निदेशक कृषि विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के परस्पर बेहतर समन्वय से ही किसानों को नव कृषि तकनीक मिलेगी तथा नवाचारी तकनीकी से कृषि एवं किसान का विकास होगा एवं निश्चित रूप से किसान की आय बढ़ेगी। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एसआर यादव ने भूमि पोषकता पर विस्तार से बताया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ दाताराम ने विभिन्न कृषि व उद्यानिकी फसलों की पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेज पर विस्तार से चर्चा की। इस परिचर्चा में कृषि वैज्ञानिक प्रो. अमर सिंह गोदारा, डॉ केशव मेहरा, डॉ शीशराम, डॉ हनुमान देशवाल, डॉ. पीसी गुप्ता, डॉ. बीडी एस नाथावत व कैलाश चौधरी इत्यादि ने भाग लिया।

कार्यशाला में मौजूद पदाधिकारी व अन्य।

30.09.2023

खेती के नवाचारों के मामले में बढ़ रही बीकानेर की प्रतिष्ठा

गुजरात के 40 किसान पहुंचे कृषि विश्वविद्यालय

खबरमंडी न्यूज़, बीकानेर। एग्रीकल्चर ग्रोथ ऑफ़ रूरल इंडिया के बैनर तले गुजरात राज्य के छोटा उदयपुर जिले के 40 किसानों के एक दल ने शुक्रवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण कर खेती में हो रहे नवाचारों का अवलोकन किया। किसानों को प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने कृषि में आमदनी को बढ़ावा देने के लिए खेती के साथ सेकेंडरी एग्रीकल्चर यथा कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन एवं समन्वित कृषि जैसे मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन,मशरूम उत्पादन, पशु पालन एवं बागवनी को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने चुरू जिले के किसानों द्वारा खारे पानी में झींगा मछली उत्पादन कर आमदनी बढ़ाने पर चर्चा की। कृषि संग्रहालय प्रभारी इंजी. जितेंद्र गौड़ ने सौर कुकर, बायोगैस, सोलर ड्रायर, सोलर इंसेक्ट ट्रेपर, पवन चक्की, ड्रिप इरीगेशन व फसल रक्षक पट्टी के मॉडल द्वारा इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल तथा नम्रता जैन ने बाजरे के बिस्किट, खाखरे व कुरकुरे बनाने का जीवंत प्रदर्शन किया। किसानों ने विश्वविद्यालय की नर्सरी का भ्रमण कर केंचुआ खाद बनाने तथा संरक्षित खेती की जानकारी ली।

गुजरात के किसानों ने किया एसकेआरएयू का भ्रमण

बीकानेर @ **पत्रिका.** गुजरात के छोटा उदयपुर जिले के 40 किसानों के एक दल ने शुक्रवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण कर खेती में हो रहे नवाचारों का अवलोकन किया। इस दौरान प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र , कृषि संग्रहालय प्रभारी इंजी. जितेंद्र गौड़ , सामुदायिक विज्ञान महविध्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल तथा नम्रता जैन आदि मौजूद रहे।

MUNICIPAL BOAR, NATHDV

S.No./M.B.Nath/Nirman/2023/27557

Notice Invi

Bids for different works Nit No Nathdwara are invited from interested 18:00 Hours. Other particulars of procurement portal (http:/ http://sppp.raj.nic.in) of the state gov

UBN No.– DLB2324WSOB24503

Raj.Samwad/C/23/10295

गुजरात के किसानों द्वारा एसकेआरएयू का भ्रमण

बीकानेर। एग्रीकल्चर ग्रोथ ऑफ़ रूरल इंडिया के बैनर तले गुजरात राज्य के छोटा उदयपुर जिले के 40 किसानों के एक दल ने शुक्रवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान किसानों ने खेती में हो रहे नवाचारों का अवलोकन भी किया। किसानों को प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने कृषि में आमदनी को बढ़ावा देने के लिए खेती के साथ सेकेंडरी एग्रीकल्चर यथा कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन एवं समन्वित कृषि जैसे मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन,मशरूम उत्पादन, पशु पालन एवं बागवनी को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने चुरू जिले के किसानों द्वारा खारे पानी में झींगा मछली उत्पादन कर आमदनी बढ़ाने पर चर्चा की।

कृषि संग्रहालय प्रभारी इंजी. जितेंद्र गौड़ ने सौर कुकर, बायोगैस, सोलर ड्रायर, सोलर इंसेक्ट ट्रेपर, पवन चक्की, ड्रिप इरीगेशन व फसल रक्षक पट्टी के मॉडल द्वारा इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सामुदायिक विज्ञान महविध्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुंकवाल तथा नम्रता जैन ने बाजरे के बिस्किट, खांखरे व कुरकुरे बनाने का जीवंत प्रदर्शन से किसानों को रूबरू करवाया। किसानों ने विश्वविद्यालय की नर्सरी का भ्रमण कर केंचुआ खाद बनाने तथा संरक्षित खेती की जानकारी ली।